-- गैलेण्ट इस्पात लिमिटेड-गीडा के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर --

117 एकड़ में 335 करोड़ रूपये की लागत से होगी गैलेण्ट इस्पात इकाई की स्थापना

(कार्यालय संवाददाता)

गोरखपुर, 11 नवम्बर। पूर्वी उत्तर प्रदेश की अति महत्वाकांक्षी योजना गैलेण्ट इस्पात लिमिटेड के इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स की स्थापना के लिए आज गीडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. हरिओम-गैलेण्ट इस्पात लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चन्द्रप्रकाश अग्रवाल ने सहमति पत्र (एम.यू.एम.) पर हस्ताक्षर किया। गीडा की 117 एकड़ भूमि में 335 करोड़ रूपये लागत से स्थापित होने वाली इस योजना का शुभारंभ मंगलवार 14 नवम्बर को मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव करेंगे।

** 14 नवम्बर को मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव करेंगे गैलेण्ट इस्पात का शिलान्यास, इण्डिया ग्लाईकाल का उद्घाटन*

** गैलेण्ट इकाई के स्थापना से पूर्वी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में आयेगा सकारात्मक बदलाव:चन्द्रप्रकाश अग्रवाल*

** गीडा में बड़े उद्योगों की स्थापना से दूर होगी नकारात्मक सोच: डा. हरिओम*

कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिलाधिकारी डा. हरिओम ने बतौर मुख्य कार्यकारी अधिकारी गीडा तथा गैलेण्ड इस्पात लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चन्द्रप्रकाश अग्रवाल ने सहमति पत्र (एम.यू.एम.) पर हस्ताक्षर करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में इसे पूर्वी उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

गैलेण्ड इस्पात लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चन्द्रप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि स्थापित होने वाले इण्डस्ट्रीयल काम्पलेक्स की प्रथम इकाई में आयरन और फाइन्स से पिलेट्स का निर्माण होगा, जबकि इससे जुड़ी दूसरी इकाई में इस पिलेट्स से स्पंज आयरन का निर्माण किया जायेगा। काम्पलेक्स की तीसरी इकाई में स्पंज आयरन से स्टील विलेट का निर्माण होगा। इसी तरह चौथी इकाई में स्टील विलेट से टी.एम.टी. सरिया का निर्माण किया जायेगा। चारों इकाईयां एक दूसरे से जुड़ी है। एक इकाई में निर्मित उत्पाद दूसरी इकाई के लिए कच्चा माल होगा।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में सकारात्मक औद्योगिक परिदृश्य का उम्मीद जगाने वाले गैलेण्ट इस्पात लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चन्द्रप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि गीडा के 117 एकड़ भूमि में स्थापित होने वाली 335 करोड़ लागत वाला यह इकाई उत्तर भारत की पहली इकाई है। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में इस इकाई से 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा। 700 लोग स्काई रूप से नियोजित होंगे। उन्होंने कहा कि गैलेण्ट इस्पात लिमिटेड का स्थापना कार्य 18 महीने के भीतर पूरा कर लिया जायेगा। योजना के प्रथम चरण में 220 करोड़ की लागत से इण्टीग्रेटेड स्टील यूनिट व कैप्टिव पावर प्लाण्ट और फ्लोर मिल की स्थापना की जायेगी। इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता प्रथम चरण में डेढ़ लाख टी.एम.टी. सरिया तथा 11 मेगावाट विद्युत उत्पादन की है।

प्रमुख उद्योगपति चन्द्रप्रकाश अग्रवाल ने अपने इकाई के बारे में कहा कि छोटी इकाईयों में फाइन्स का निर्यात किया जाता है, जबकि विदेशों से तकनीक प्राप्त कर हम आयरन और उससे पिलेट्स का निर्माण करेंगे।

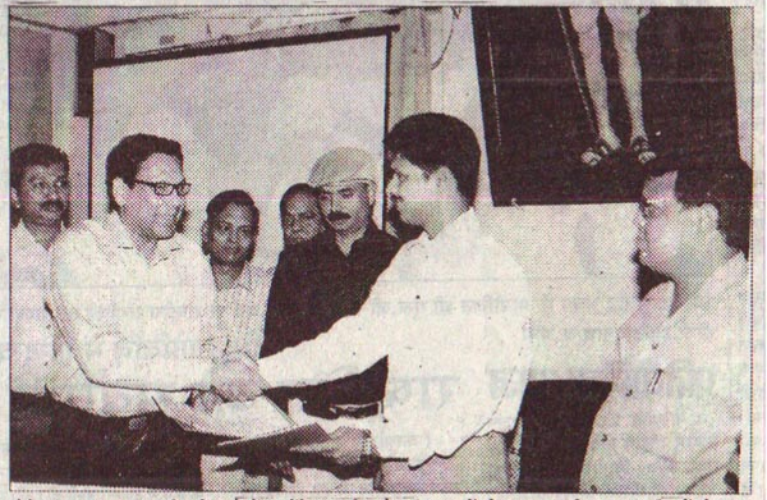

गैलेण्ट ग्रुप आफ इण्डस्ट्रीज के बारे में उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में गोरखपुर, बस्ती व महराजगंज में दो लाख टन क्षमता की फ्लोर मिलें संचालित की जा रही है। फ्लोर मिल के अलावा गोरखपुर में 52000 मीट्रिक टन क्षमता की फर्नेस व मिल इकाई भी सफलता से संचालित हो रहे हैं। इनमें सरिया का उत्पादन किया जाता है। ग्रुप की स्थापना 1984 में एक लाख रूपये की पूंजी एवं 4 लाख रूपये के विनियोजन से शुरू किया गया था। गांधीधाम, गुजरात में भी 200 करोड़ की लागत वाली एक इण्टीग्रेटेड स्टील यूनिट तथा 25 मेगावाट का पावर प्लाण्ट संचालित है।

जिलाधिकारी व गीडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. हरिओम ने बताया कि 14 नवम्बर मंगलवार को प्रातः 10.30 बजे मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव गीडा में गैलेण्ट इस्पात लिमिटेड का शिलान्यास करेंगे। इसी दिन वह बड़ी औद्योगिक इकाई इण्डिया ग्लाईकाल का उद्घाटन करेंगे। वह शिलान्यास स्थल पर ही जनसभा को सम्बोधित करेंगे। यही से राजघाट स्थित रासी नदी पर नवनिर्मित पुल का भी उद्घाटन कर सकते हैं।

डा. हरिओम ने कहा कि गैलेण्ट इस्पात लिमिटेड की स्थापना से पूर्वी उत्तर प्रदेश के बारे में नकारात्मक सोच में बदलाव आयेगा और अधिक तेजी से औद्योगिक विकास होगा।

SWATANTRA CHETANA 12.11.06